अप्रैल, 2012 ❁ मूल्य : रु. 15

इमेज मीडिया ग्रुप प्रकाशन

पैदावार

जनोपयोगी कृषि हिन्दी मासिक पत्रिका

धान की उपयुक्त किस्म का चुनाव

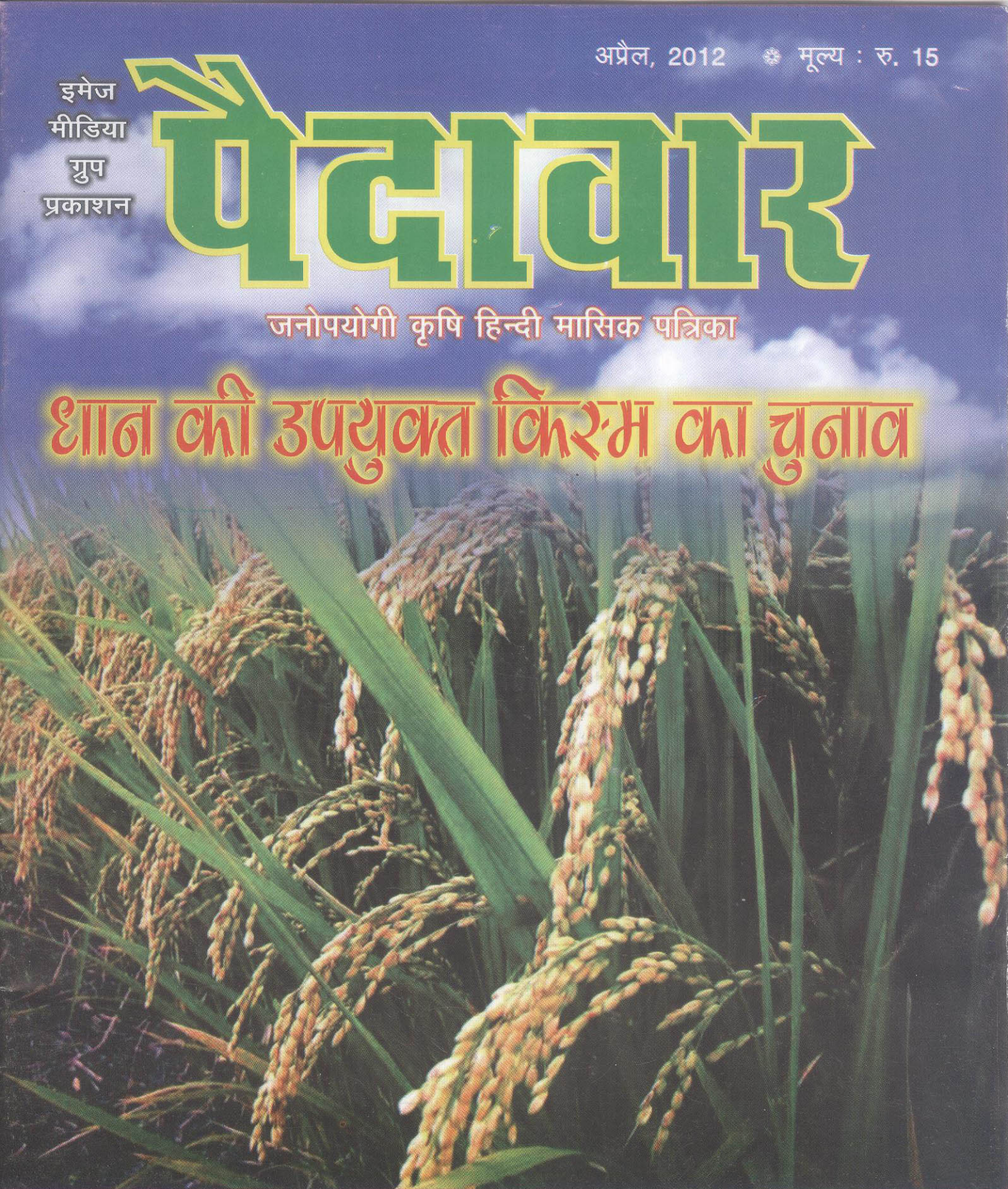

- तैयार करें धान की नर्सरी
- कैसे लें गन्ने की अच्छी पेड़ी
- धान उगाने की श्री विधि
- तिल की उपज बढ़ाएँ
- बेला महके खेत में
- पैदावार समाचार व अन्य स्तम्भ

राष्ट्रपति ने किया गाँधी तीर्थ का लोकार्पण

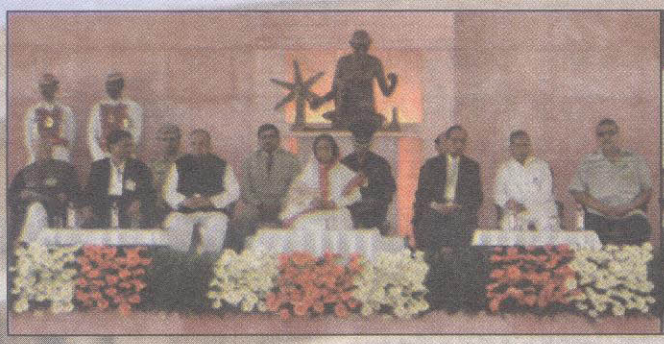

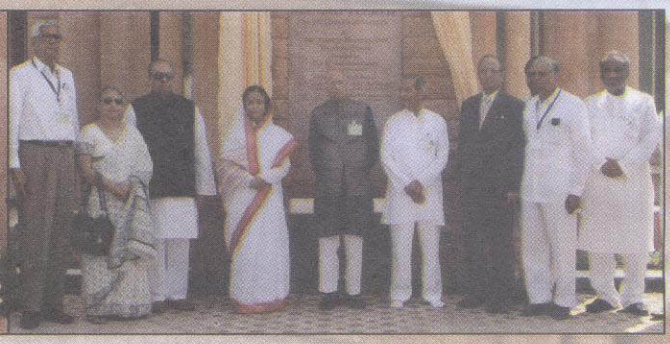

जलगाँव। नई पीढ़ी को सार्थक दिशा देने के उद्देश्य से गाँधी विचार-धारा के अध्ययन, शोध और पुनर्स्थापन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कृषि सिंचन के क्षेत्र में अग्रणी एवं नवोन्मेषी संस्था जैन इरिगेशन के सामाजिक प्रतिष्ठान गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन के तत्त्वावधान में गाँधी तीर्थ की स्थापना की गई। जलगाँव में वर्तमान सदी के इस महत्त्वपूर्ण कार्य-विन्यास का उद्घाटन महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने गाँधी तीर्थ के स्वप्न-दृष्टा जैन इरिगेशन के संस्थापक-अध्यक्ष भवरलाल जैन की इस युगांतरकारी कार्य प्रयोजन हेतु भूरि-भूरि प्रशंसा की।

लोकार्पण समारोह में महामहिम राष्ट्रपति ने कहा कि युवा पीढ़ी और नारी शक्ति को गाँधी विचारधारा से जोड़कर देश की दशा और दिशा तय करनी होगी। युवा कर्मनिष्ठ हों, इसमें गाँधी विचार अहम् भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि गाँधी व्यक्ति नहीं-विचार है, जो सत्य आधारित होने के कारण आज भी समीचीन है। आज के युवाओं को उनके विचारों को समझने की आवश्यकता है। महामहिम ने कहा कि भवरलाल जैन ने कई महत्त्वपूर्ण एवं उपयोगी उपक्रमों की स्थापना की है, लेकिन गाँधी तीर्थ की स्थापना के लिए आने वाली पीढ़ी सदैव उनको याद करेगी। उन्होंने कहा कि गाँधी तीर्थ युवाओं को गढ़ने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर महामहिम ने चरखे द्वारा सूत कात कर गाँधी तीर्थ के रचनात्मक कार्यों की शुरुआत की। उन्होंने गाँधी तीर्थ परिसर में स्थित महात्मा गाँधी की भव्य प्रतिमा का अनावरण भी किया।

कार्यक्रम में भवरलाल जैन ने कहा कि जब मैं महामहिम राष्ट्रपति महोदया से मिला तो उन्होंने मुझसे कहा कि भाऊ आपने अपने जीवन में कई कार्य किये, लेकिन गाँधी तीर्थ का निर्माण उनमें सबसे महान कार्य है। श्री जैन ने कहा कि मैंने बहुत पहले जो स्वप्न देखा था वह अब साकार हो सका है। उन्होंने कहा कि मेरी आकांक्षा है कि यहाँ हर दिन कोई न कोई कार्यक्रम होता रहे।

समारोह में महात्मा गाँधी के प्रपौत्र तुषार गाँधी ने कहा कि आने वाले दिनों में गाँधी तीर्थ ज्ञान तीर्थ का केन्द्र बने, ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं। गाँधी रिसर्च फाउण्डेशन के चेयरमैन न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर धर्माधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि आने वाले दिनों में जलगाँव को गाँधी विचार की राजधानी के रूप में जाना जायेगा। महामहिम राष्ट्रपति ने इस अवसर पर गाँधी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। आगन्तुक पुस्तिका में उन्होंने लिखा कि महात्मा गाँधी के मौलिक विचारों को अंगीकार करना मेरे जीवन का अन्तिम लक्ष्य है। उनके विचारों को आत्मसात करने से आत्मिक शान्ति प्राप्त होती है। गाँधी तीर्थ के लोकार्पण समारोह में श्रीलंका के गाँधी के रूप में सुविख्यात डॉ० ए०टी० अरियरत्ने, वरिष्ठ गाँधीवादी एच०एस० दोराई स्वामी, महाराष्ट्र के राज्यपाल के० नारायणन एवं उनकी अर्द्धांगिनी श्रीमती राधाशंकर नारायणन, वरिष्ठ शिक्षा शास्त्री देवी सिंह शेखावत, संचालक डी०आर० मेहता, नारायणन राव जबरे आदि महानुभावों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। जबकि 250 से भी अधिक गाँधीवादियों ने अपनी उपस्थिति से समारोह को गरिमा प्रदान की।

□ जलगाँव (महाराष्ट्र) से अनन्त वी० बागुल